हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्नपत्र के चार खण्ड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।

(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iii) यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्नपत्र संख्या 4/1/1

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पृथ्वी के समस्त मनुष्यों की जाति एक ही है - मनुष्य जाति। मानव का मानव से न कोई भेद होता है, न हो सकता है। संसार के किसी भी भाग का रहने वाला क्यों न हो वह, उसका एक मात्र परिचय यह है कि वह मानव है, इन्सान है। प्रारंभ में मानव में किसी प्रकार की भेदभावना नहीं थी। स्वयं मानव ने पारस्परिक भेद की रचना की है। अधिकार-बोध से उसमें स्वार्थ की भावना का जन्म हुआ, फिर इससे अन्य अनेक भेदों की दीवारें उठ खड़ी हो गईं। दुनिया के तमाम झगड़ों की जड़ में यही स्वार्थ भावना है, जिससे अपने पराए बन जाते हैं।

गौतम बुद्ध, ईसामसीह, मुहम्मद, चैतन्य, नानक आदि महापुरुषों ने संसार में शान्ति व्यवस्था एवं सद्भावना के प्रसार के लिए धर्म के माध्यम से मनुष्य को परमकल्याण के पथ का निर्देश किया, किन्तु बाद में यही धर्म मनुष्य के हाथ में एक अस्त्र बन गया। धर्म के नाम पर रक्तपात हुआ। मनुष्य जाति विपन्न हो गई। पर धीरे-ध्धीरे मनुष्य शुभबुद्धि से धर्मोन्माद के नशे से हुए और हो सकने वाले अनर्थ को समझने लग गया है।

धार्मिक विश्वासजनित भेदभावना अब धरती पर से धीरे-धीरे मिटती जा रही है। विज्ञान की प्रगति के साथ-साथ संचार के साधनों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। फलतः देशों में दूरियाँ कम हो गई हैं। अब एक देश दूसरे देश को अच्छी तरह जानने लग गया है और विभिन्न देशों के आपसी मनमुटाव दूर होने लगे हैं। फिर भी संसार में वर्णभेद की समस्या आज भी किसी न किसी रूप में वर्तमान है। कभी नस्ल, कभी रंग, कभी वर्ण, कभी जाति के नाम पर कुछ लोग बर्बरतापूर्ण व्यवहार करते रहे हैं। भेदभाव के इस कलंक को भी मिटाना होगा।

जो हो, संसार के सब मनुष्य एक हैं। समस्त भेद कृत्रिम हैं और मिट सकते हैं। अमृत की संतान है मानव। विश्व के समस्त जीवों में श्रेष्ठतम है और उसमें असीम शक्ति है। अपेक्षा है, शिक्षा के व्यापक प्रसार की। शिक्षा मानवीय मूल्यों के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एक मात्र साधन है। इससे हम अपने को सब प्रकार की संकीर्णता के कलुष से मुक्त करके अपनी दृष्टि को निर्मल और विस्तीर्ण बना सकते हैं।

(i) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

(ii) मानव में पारस्परिक भेद की भावना कैसे आई? 1

(iii) महापुरुषों ने मनुष्य को कल्याण-पथ का निर्देश कैसे और क्यों दिया? 2

(iv) धर्म मनुष्य के हाथ में एक अस्त्र कैसे बन गया? 1

(v) धार्मिक भेदभावना अब क्यों मिटती जा रही है? 1

(vi) आज वर्णभेद किन रूपों में दिखाई पड़ता है? 1

(vii) शिक्षा के व्यापक प्रसार की अपेक्षा क्यों है? 1

(viii) देशों में दूरियाँ कम क्यों हो गई हैं? 1

(ix) संधि-विच्छेद कीजिए - धर्मोन्माद, स्वार्थ। 1

(x) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए - संकीर्ण, महत्त्व। 1

(xi) मिश्र वाक्य में बदलिए - समस्त भेद कृत्रिम हैं और मिट सकते हैं। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

साँझ-सकारे चंदा-सूरज करते जिसकी आरती

उस मिट्टी में मन का सोना घोल दो -

ग्रह-नक्षत्रो! भारत की जय बोल दो।

वह माली है, वह खुशबू है, हम चमन हैं,

वह मंदिर है, वह मूरत है, हम नमन हैं,

छाया है माथे पर आशीर्वाद-सा,

वह संस्कृतियों के मीठे संवाद-सा,

उसकी देहरी अपना माथा टेककर

हम उन्नत होते हैं उसको देखकर।

ऋतुओ! उसको नित नूतन परिधान दो,

झुलस रही है धरती, सावन दान दो।

सरल नहीं परिवर्तन में मन ढालना

हर पत्थर से भागीरथी निकालना

हम अनेकता में भी तो हैं एक ही,

हर संकट में जीता सदा विवेक ही

कृति, आकृति, संस्कृति, भाषा के वास्ते

बने हुए हैं मिलते-जुलते रास्ते।

आस्थाओं की टकराहट से लाभ क्या?

मंज़िल को हम देंगे भला जवाब क्या?

एक हार में गूँथे मणि-माणिक हैं हम -

बिखरे फूलों को भी इसमें जोड़ दो,

ग्रह-नक्षत्रो! भारत की जय बोल दो।

(i) चाँद और सूरज कब, किसकी आरती करते हैं? 1

(ii) 'वह' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 1

(iii) ऋतुओं से क्या निवेदन किया गया है? 1

(iv) कवि को भारत किन-किन रूपों में दिखाई देता है? 1

(v) परिवर्तन आसान नहीं होता - यह समझाने के लिए कवि ने किसका उदाहरण दिया है? 1

(vi) उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए, जिनका आशय है - 'यदि हमारी एकता पर कोई संकट आता है तो हम विवेक-बुद्धि से उस पर विजय प्राप्त करते हैं।' 1

(vii) आशय स्पष्ट कीजिए - एक हार में गूँथे मणि-माणिक हैं हम

बिखरे फूलों को भी इसमें जोड़ दो। 2

अथवा

जिसमें स्वदेश का मान भरा,
आज़ादी का अभिमान भरा,
जो निर्भय पथ पर बढ़ आए,
जो महाप्रलय में मुस्काए,
जो अंतिम दम तक रहे डटे,
दे दिए प्राण, पर नहीं हटे,
जो देश-राष्ट्र की वेदी पर,
देकर मस्तक हो गए अमर,
दे रक्त-तिलक भारत ललाट-
उनको मेरा पहला प्रणाम।

फिर वे जो आँधी बन भीषण,
कर रहे आज दुश्मन से रण,
बाणों के पवि-संधान बने,
जो ज्वालामुख-हिमवान बने,
हैं टूट रहे रिपु के गढ़ पर,
बाधाओं के पर्वत चढ़कर,
जो न्याय-नीति को अर्पित हैं,
भारत के लिए समर्पित हैं,
कीर्तित जिससे यह धरा-धाम,
उन वीरों को मेरा प्रणाम।

श्रद्धानत कवि का नमस्कार,
दुर्लभ है छंद-प्रसून हार,
इसको बस वे ही पाते हैं,

जो चढ़े काल पर आते हैं,

हुंकृति से विश्व कँपाते हैं,

पर्वत का दिल दहलाते हैं,

रण में त्रिपुरान्तक बने शर्व,

कर ले जो रिपु का गर्व खर्व,

जो अग्नि-पुत्र, त्यागी, अकाम-

उनको अर्पित मेरा प्रणाम।

(i) कवि सबसे पहला प्रणाम किन्हें करता है? 2

(ii) निडर होकर रणक्षेत्र में डटे रहने वालों की किन विशेषताओं को कवि ने बताया है? 1

(iii) रक्त-तिलक देने का क्या तात्पर्य है? 1

(i) कवि सबसे पहला प्रणाम किन्हें करता है? 1

(ii) निडर होकर रणक्षेत्र में डटे रहने वालों की किन विशेषताओं को कवि ने बताया है? 1

(iii) रक्त-तिलक देने का क्या तात्पर्य है? 1

(iv) दुश्मन से वीर किन रूपों में लड़ते हैं? 1

(v) धरती का यश फैलने की बात किन पंक्तियों में कही गई है? 1

(vi) कवि की कवितारूपी फूलों का हार कौन पाते हैं? 1

(vii) आशय स्पष्ट कीजिए- जो ज्वालामुख - हिमवान बने। 1

खंड ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) **स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम**

- शरीर और मन की स्वस्थता
- व्यायाम, आसन, प्राणायाम

- खानपान और रहन-सहन
- स्वस्थ व्यक्ति स्वस्थ परिवार

(ख) **सभा-भवन का शिष्टाचार**

- प्रवेश और आसन ग्रहण
- कार्यक्रम प्रस्तुति के बीच
- सराहना, उत्साहवर्धन
- कार्यक्रम समाप्ति पर

(ग) **पुस्तकालय में**

- प्रवेश, बैठने, अध्ययन के तौर-तरीके
- पुस्तकें, छाँटते और लेते हुए
- पुस्तकों से छेड़छाड़ क्यों नहीं
- नियमों का निष्ठा से पालन

4. आपने बंगलौर में रहने वाले अपने मित्र को जन्मदिन का उपहार स्पीड पोस्ट से भेजा, जो उसे नहीं मिला। इस संबंध में डाक अधीक्षक को एक शिकायती पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखकर निवेदन कीजिए कि अधिक-से-अधिक खेल का सामान विद्यालय में उपलब्ध कराया जाए।

खंड ग

5. (क) शब्द और पद में क्या अंतर है, उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 1

(ख) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम बताइए : 1

सुभाष <u>अद्‌भुत साहसी वीर</u> थे।

(ग) रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए : 2

<u>मैंने</u> गंगा-यमुना दोनों <u>नदियाँ</u> प्रयाग में देखीं।

6. (क) निर्देशानुसार वाक्य-रचना कीजिए : 2

(i) झंडा गाड़ते समय पुलिस ने अविनाश बाबू को पकड़ लिया। (मिश्र वाक्य)

(ii) वह मेरे सामने आकर ठिठक गया। (संयुक्त वाक्य)

(ख) रचना के अनुसार वाक्य का भेद लिखिए : 2

(i) ऐसा कौन व्यक्ति है जो सुखी नहीं रहना चाहता।

(ii) सूर्योदय हुआ और वे अपने काम पर चल दिए।

7. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

(क) महोदय, छात्रावास (संधिच्छेद कीजिए) 1

(ख) प्रश्न+ उत्तर, प्रति + एक। (संधि कीजिए) 1

(ग) फिल्म-निर्माता, सहानुभूति। (समस्त पदों का विग्रह कीजिए) 1

(घ) महात्मा, मुँह-दिखाई। (समस्त पदों के समास का नाम लिखिए) 1

8. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए: 2

(i) पहाड़ होना।

(ii) लगती बातें कहना।

(iii) जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना।

(ख) नीचे लिखे वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरा और लोकोक्ति द्वारा कीजिए: 2

(i) चुनाव में दोनों दलों ने खूब प्रचार किया है, देखना है कि ..... बैठता है।

(ii) ईश्वर न करे, आज मैं बीमार पड़ जाऊँ तो तुम्हारे ऊपर ..... टूट जाएँगे।

9. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 4

(क) मैं पढ़ा हूँ।

(ख) बच्चे को गरम गाय का दूध पिलाओ।

(ग) तुम वहाँ क्या देखा?

(घ) पिताजी गाड़ी पर आएँगे।

खंड घ

10. निम्नलिखित काव्यांशों मे से किसी **एक** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(क) कौन, किससे अपेक्षा कर रहा है? 1

(ख) कवि किनही राहें वीरान नहीं होने की बात कहता है? 1

(ग) ''ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले'' से कवि का क्या तात्पर्य है? 2

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए - 2

बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

अथवा

सहानुभूति चाहिए, महाविभूति है यही,
वशीकृता सदैव है बनी हुई स्वयं मही।
विरुद्धवाद बुद्ध का दया-प्रवाह में बहा
विनीत लोकवर्ग क्या न सामने झुका रहा?
अहा! वही उदार है परोपकार जो करे
वही मनुष्य है कि मनुष्य के लिए मरे।

(क) कवि किसे वास्तव में मनुष्य मानता है? 1

(ख) महाविभूति किसे कहा गया है और क्यों? 2

(ग) उदार किसे कहा जाएगा? 1

(घ) भाव स्पष्ट कीजिए : विरुद्धवाद बुद्ध का दया प्रवाह में बहा
विनीत लोक वर्ग क्या न सामने झुका रहा? 2

11. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×3 = 9

(क) मीराबाई ने श्रीकृष्ण की रूप माधुरी का वर्णन कैसे किया है? उसके 'पद' के आधार पर बताइए।

(ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री दीपक से जलने का आग्रह क्यों कर रही है?

(ग) विरासत में मिली चीज़ों को सँभालकर क्यों रखा जाता है? 'तोप' कविता के आधार पर लिखिए।

(घ) भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए - 'कहिहै सबु तेरौ हियौ मेरे हिय की बात।'

12. (क) 'आज धरती बनी है दुल्हन साथियो इस पंक्ति से कवि धरती के बारे में क्या कहना चाहता है? 2

(ख) ''पर्वत प्रदेश में पावस'' कविता के आधार पर लिखिए कि पर्वतीय क्षेत्रों में पावस ऋतु में क्या-क्या परिवर्तन होते हैं। 3

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3 = 6

तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँव वालों को ही नहीं अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना कर्त्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भूत दैवीय शक्ति थी।

(क) तताँरा का आदर सभी लोग क्यों करते थे?

(ख) लोग उसके करीब क्यों रहना चाहते थे?

(ग) तताँरा की तलवार के बारे में लोगों का क्या विश्वास था?

अथवा

पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबाल की वह उछलकूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबाल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नजर मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेलकूद का तिरस्कार न कर सकता था।

(क) टाइम टेबिल की अवहेलना के क्या-क्या कारण थे?

(ख) भाईसाहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर क्यों मिल जाता था?

(ग) लेखक भाईसाहब के साए से क्यों भागना चाहता था?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $3\times3 = 9$

(क) कलकत्ता में द्वितीय स्वतंत्रता दिवस किस प्रकार मनाया गया? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) 'झेन की देन' के आधार पर बताइए कि जापानी लोगों को मानसिक बीमारियाँ अधिक क्यों होती हैं?

(ग) 'तीसरी कसम' फिल्म नहीं, सैल्यूलाइड पर लिखी कविता थी - इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

(घ) 'गिरगिट' कहानी में समाज की किन विसंगतियों की ओर ध्यान दिलाया गया है? अपने शब्दों में लिखिए।

15. (क) सआदत अली को कर्नल अवध के तख्त पर क्यों बिठाना चाहता था? 'कारतूस' के आधार पर उत्तर दीजिए। 3

(ख) प्रकृति में असंतुलन का क्या परिणाम हुआ है?' अब कहाँ दूसरों के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए। 2

16. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर पूरक पाठ्यपुस्तक 'संचयन' के आधार पर लिखिए : 4

(क) गाँव के लोग ठाकुरबाड़ी के प्रति भक्तिभावना से भरे थे। इस तथ्य को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर पी.टी. सर की किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

17. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2\times3 = 6$

(क) टोपी ने इफ्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही? 'टोपी शुक्ला' के आधार पर लिखिए।

(ख) हरिहर काका की नज़र में महंत कब घृणित और दुराचारी नज़र आने लगा?

(ग) छात्रों के नेता ओमा के सिर की क्या विशेषता थी? 'सपनों के से दिन' के आधार पर बताइए।

(घ) हैडमास्टर शर्मा जी का छात्रों के साथ कैसा व्यवहार था?

प्रश्नपत्र संख्या 4/1

खंड 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जो बल था उसकी वाणी में, बल वह नहीं हथौड़ों में,

बड़े-बड़ों में ढूँढ़ा, पर ना गांधी मिला करोड़ों में।

वह धोती, वह घड़ी, लकुटिया और हड्डियों का ढाँचा,

जिसमें ढली आत्मा यह, वह था विशेष दुर्लभ साँचा

कम बोले पर करे अधिक, जो कम बैठे औ' अधिक चले,

कम ले जो विश्राम कि उसके दिन का सूरज नहीं ढले,

ऐसा मनुज इकाई में है, कहाँ खोजते जोड़ों में।

बाल न बाँका हुआ तनिक चालीस कोटि आबादी का

आज़ादी को यहाँ घेरकर लाया धागा खादी का,

भौतिक बल के बलवानों ने, निर्बल का बल तब परखा -

जब अबाध गति से घर-घर में घूमा गांधी का चरखा।

धार छिपी तलवारों की थी, उन तकली के तोड़ो में।

दुर्बल की साधारण काया किन्तु असाधारण माया,

एक मंत्र से जनता जागी चली साथ बन पद-छाया

नमक-दायिनी धरती थी जब, कर-कानूनों से जकड़ी

दो टाँगें बन के विराट, चल पड़ीं हाथ में लिए छड़ी।

उस गति में जो वेग भरा था, वेग नहीं वह घोड़ों में।

अमृत का घट दिया राष्ट्र को, राष्ट्र-पिता ने ज़हर पिया,

हृदय-रक्त से स्वतंत्रता को, सबसे पहले तिलक किया,

उस अंतिम प्रहार को भी हँसकर छाती पर थाम लिया,

धरती सिसक उठी जब उसने, राम-राम का नाम लिया।

ऐसा अनुपम चमत्कार, इतिहास देखता थोड़ों में।।

(i) कविता का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ii) किन पंक्तियों में कहा गया है कि गांधी का शारीरिक और आन्तरिक रूप भिन्न था? 1

(iii) भौतिक बल के बलवान किन्हें कहा गया है? 1

(iv) गांधी के किस मंत्र से जनता जग गई? 1

(v) भाव स्पष्ट कीजिए - अमृत का घट दिया राष्ट्र को, राष्ट्र-पिता ने ज़हर पिया,

हृदय-रक्त से स्वतंत्रता को, सबसे पहले तिलक किया। 2

(vi) नामक-कानून को तोड़ने के लिए की गई यात्रा के बारे में कवि के भावों को अपने शब्दों में लिखिए। 1

(vii) गांधी के संदर्भ में धरती के सिसक उठने की बात क्यों की गई है? 1

अथवा

तरुणाई है नाम सिंधु की उठती लहरों के गर्जन का,
चट्टानों से टक्कर लेना लक्ष्य बने जिनके जीवन का
विफल प्रयासों से ही दूना वेग भुजाओं में भर जाता,
जोड़ा करता जिनकी गति से नव उत्साह निरंतर नाता
पर्वत के विशाल शिखरों-सा यौवन उसका ही है अक्षय,
जिसके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार सदा लय।
अचल खड़े रहते जो ऊँचा शीश उठाए तूफानों में
सहनशीलता, दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में
वे ही पथ-बाघा को तोड़े बहते है जैसे हों निर्झर,
प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर।
आज देश की भागी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई
नए जन्म की श्वास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई।
आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना,
नवयुग के नवजीवन पृष्ठों पर नूतन इतिहास लिखाना।
उठो राष्ट्र के नवयौवन तुम, दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण,
जागे देश के प्राण, जगा दो नए प्रात का नगा जागरण।
आज विश्व को यह दिखला दो, हममें भी जागी तरुणाई,
नई किरण की नई चेतना में हमने भी ली अँगड़ाई।।

(i) प्रस्तुत कविता का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ii) 'तरुणाई' की क्या विशेषता बताई गई है? 1

(iii) प्रयासों के विफल हो जाने पर भारतीय युवकों में क्या प्रतिक्रिया होती है? 1

(iv) युवकों की तुलना निर्झर से क्यों की गई है? 2

(v) देश के नवयुवकों को स्वयं जगकर देश को जगाने का संदेश किन पंक्तियों में दिया गया है? 1

(vi) भाव स्पष्ट कीजिए — नई किरण की नई चेतना में हमने भी ली अँगड़ाई। 2

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

''मेरी अंतरात्मा से आवाज उठी कि मुझे सब कुछ त्याग देना चाहिए और अपना जीवन ईश्वर या दरिद्रनारायण की सेवा में समर्पित कर देना चाहिए।'' माता टेरेसा को सेवा की प्रेरणा कैसे मिली, इस सिलसिले में कहे उनके ये शब्द हैं। भौगोलिक सीमा के सब बंधनों को तोड़कर माता टेरेसा इस विशाल विश्व के एक सुदूर अंचल से भारत के कलकत्ता नगर में चली आई। इस महीयसी महिला का आविर्भाव एक नैसर्गिक करुणाधारा के रूप में हुआ। माँ ने भूखे को भोजन दिया, वस्त्रहीन को वस्त्र, आश्रयहीन को आश्रय, रोगी को औषधि, आशाहीन को आशा और मुमूर्षु को जीवन का आश्वासन। आर्त, पीड़ित और निःसहाय मनुष्यों की ममतामयी माँ बन गई वे।

माता टेरेसा अट्ठारह वर्ष की आयु में आयरलैंड के लॉरेटो धर्मसंघ से अध्यापन कार्य के लिए भारत आई। कलकत्ता में लॉरेटो सेंट मेरीज़ हाई स्कूल में वे भूगोल पढ़ाने लगीं। बाद में वे विद्यालय की प्रधानाचार्य बन गई। अध्यापन करते वक्त उनके जीवन में एक परिवर्तन शुरू हो गया था। स्कूल की दीवार के उस पार मोती झील बस्ती में जाकर वे बड़ी सहानुभूति के साथ वहाँ के गरीब और बेसहारा लोगों की दुखभरी बातें सुनती थीं तो उनका मन विषाद से भर जाता था।

वे सन्यासिनी बन गईं और नाम बदलकर 'टेरेसा' रखा। एक दिन उन्हें लगा कि जैसे उन्होंने ईसा मसीह की वाणी सुनी। उनके लिए जैसे यह परम पिता का आह्वान था। अब उन्होंने दीन-दरिद्र लोगों की सेवा में अपने को पूरी तरह लगा दिया। वे एक भारतीय नारी की पोशाक पहनने लगीं। भारत को ही उन्होंने अपना देश मान लिया। उन्होंने अनेक आश्रम स्थापित किए। आज पूरे देश में अनेक स्कूल, धर्मार्थ चिकित्सालय, कुष्ठ चिकित्सा-केंद्र और उद्धाराश्रम उनकी देन हैं। धीरे-धीरे समूचा विश्व ही उनका कर्मक्षेत्र बन गया था।

इस महिमायमी माँ के दर्शन से संसार के लोग अभिभूत हो गए। समूचे विश्व ने माता टेरेसा को अनेक पुरस्कारों, उपाधियों से सम्मानित करके उनकी दरिद्र एवं आर्त मनुष्यों की सेवा को स्वीकृति प्रदान की। माता टेरेसा आज सबकी स्नेहमयी माँ के रूप में अमर हैं।

(i) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ii) टेरेसा को दरिद्रों की सेवा की प्रेरणा कैसे प्राप्त हुई। 1

(iii) हम कैसे कह सकते हैं कि टेरेसा का आविर्भाव करुणा की धारा के रूप में हुआ? 2

(iv) भूगोल की अध्यापिका एक समाज-सेविका कैसे बन गई? 2

(v) आप कैसे कह कहते हैं कि टेरेसा ने भारत को ही अपना देश मान लिया? 1

(vi) भारत में टेरेसा की देन किन रूपों में दिखाई देती है? 1

(vii) उनकी सेवाओं को विश्व ने किस प्रकार स्वीकृति दी? 1

(viii) निम्नलिखित में उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए : 1

परिवर्तन, भारतीय।

(ix) निम्नलिखित के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2

माँ, मनुष्य।

खंड ख

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छे लिखिए: 5

(क) <u>अधिकार और कर्तव्य</u>

- अधिकारों से जीवन की सुरक्षा
- हमारा कर्तव्य – सबके अधिकारों की रक्षा
- अधिकार के साथ कर्तव्य-पालन अनिवार्य

(ख) <u>लोकतंत्र और चुनाव</u>

- लोकतंत्र में 'लोक' का महत्व
- जनता की आवाज : चुने हुए प्रतिनिधि
- प्रतिनिधि चुनने से लोकतंत्र की रक्षा
- सही प्रतिनिधि कैसे चुनें

(ग) <u>जहाँ चाह वहाँ राह</u>

- इच्छा-शक्ति से उत्साह और आत्मबल का उदय
- सच्ची-लगन से कठिन कार्य संभव

- संकल्प-शक्ति से बड़ी सफलताएँ
- चाह हो तो राह निकल ही आती है

4. सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी का अधिक-से-अधिक प्रयोग हो इस अनुरोध के साथ किसी दैनिक पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए कि वे इस विषय पर संपादकीय लेख प्रकाशित करें। 5

अथवा

बैंक का कार्यकाल 10 बजे प्रातः से 4 बजे सायं तक है, जिससे कामकाजी लोग लाभ उठाने में कठिनाई महसूस करते हैं। बैक-प्रबंधक को पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि यह कार्यकाल 8 बजे प्रातः से 8 बजे सायं तक करने की कृपा करें।

खंड ग

5. (क) पद और शब्द एक दूसरे से भिन्न कैसे हैं? 1

(ख) नीचे दिए गए वाक्य में रेखांकित पदबंध का नाम बताइए: 1

श्याम का बड़ा भाई रमेश कल आया था।

(ग) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए: 2

बाग में आम के बहुत पेड़ हैं।

6. (क) निर्देशानुसार वाक्य बनाइए : 2

(i) उस गाँव में रहने वाले बड़े धनी है। (मिश्र वाक्य)

(ii) मैं बैंक जाकर अपने खाते से पैसे निकाल लाया। (संयुक्त वाक्य)

(ख) रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए: 2

(i) अविनाश बीमार हो गया इसलिए विद्यालय नहीं जा सका।

(ii) जो कर्म करने में प्रवृत्त नहीं होता, वह फल की आशा क्यों करे?

7. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

(क) आदेशानुसार, सोमेश्वर। (संधिच्छेद कीजिए) 1

(ख) जीवन + उद्देश्य, शत + आयु (संधि कीजिए) 1

(ग) राष्ट्रभक्त, लालकिला। (समस्त पदों का विग्रह कीजिए) 1

(घ) देशभक्ति, नीलगाय (समास का नाम लिखिए) 1

8. (क) दिए गए मुहावरों में से किन्हीं ***दो*** का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए : 2

(i) लोहे के चने चबाना

(ii) चेहरा मुरझा जाना

(iii) चक्कर खा जाना

(iv) दो से चार बनाना

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरा और लोकोक्ति द्वारा कीजिए : 2

(i) झोला छाप डॉक्टर के इलाज से रोगी की मौत हो गई। तभी तो कहते है नीम _____।

(ii) अभी तो पिता की कमाई पर मस्ती कर रहे हो, घर बसाओगे तो आटा _____।

9. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 4

(क) शहर में बीमारी बड़ी फैली है।

(ख) बच्चों को बोलने की सच आदत डालनी चाहिए।

(ग) आजकल महँगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है।

(घ) बच्चों को स्नेह से अध्यापक पढ़ाया।

खण्ड घ

10. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2\times3 = 6$

उड़ गया, अचानक लो, भूधर

फड़का अपार पारद के पर।

रच-शेष रह गए है निर्झर।

है टूट पड़ा भू पर अंबर।

धँस गए धरा में सभय शाल।

उठ रहा धुआँ, जल गया ताल।

यों जल्द-यान में विचर-विचर

था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

(क) 'भूधर का उड़ना' और 'ताल का जलना' कथनों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि ने 'रव-शेष रह गए हैं निर्झर' क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।

(ग) वर्षा के संदर्भ में इन्द्र की जादूगरी के दो उदाहरण दीजिए।

अथवा

'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,

पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।

फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,

परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद है।

अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे।

(क) सबसे बड़ा विवेक किसे माना है और क्यों?

(ख) प्रत्येक मनुष्य में बाहरी अंतर क्यों दिखाई पड़ता है? उनकी एकता का प्रमाण कहाँ मिलता है?

(ग) कवि ने अनर्थ किसे माना है और क्यों?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 3 = 9$

(क) 'बिहारी के दोहे' कविता के आधार पर गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा लेती है।

(ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री को आकाश के तारे स्नेहहीन-से क्यों प्रतीत होते हैं?

(ग) 'तोप' कविता में कवि ने तोप को दो बार चमकाने की बात कही है। वे दो अवसर कौन-से होंगे?

(घ) 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर लिखिए कि सहायक न मिलने पर कवि ने ईश्वर से क्या प्रार्थना की है।

12. (क) मीराबाई अपने आराध्य देव की चाकरी क्यों चाहती है? 'मीरा के पद' कविता के आधार पर लिखिए। 2

(ख) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में सैनिकों के माध्यम से देश का सम्मान बढ़ाने के लिए कवि ने क्या संदेश दिया है? 3

13. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए: $2\times3 = 6$

दोनों रोज उसी जगह पहुँचते और मूर्तिवत् एक-दूसरे को निर्निमेष ताकते रहते। बस, भीतर समर्पण था जो अनवरत गहरा रहा था। लपाती के कुछ युवकों ने इस मूक प्रेम को भाँप लिया और खबर हवा की तरह बह उठी। वामीरो लपाती ग्राम की थी और तताँरा पासा का। दोनों का संबंध संभव न था। रीति-अनुसार दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था। वामीरो ओर तातांरा को समझाने-बुझाने के कई प्रयास हुए किंतु दोनों अडिग रहे। वे नियमतः लपाती के उसी समुद्री किनारे पर मिलते रहे। अफवाहें फैलती रहीं।

(क) तताँरा और वामीरो के प्रेम को 'मूक प्रेम' क्यों कहा है?

(ख) दोनों में संबंध होना क्यों संभव नहीं था?

(ग) वामीरो और तताँरा को क्या समझाने के प्रयास हो रहे थे? प्रयासों का क्या परिणाम निकला?

अथवा

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं? खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों का भी ऊपर ले चले, यही महत्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों-जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

(क) व्यवहारवादी और आदर्शवादी लोग किन्हें कहा गया है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) व्यवहारवादी लोग अपने लिए और समाज के लिए क्या करते हैं?

(ग) व्यवहारवादी और आदर्शवादी व्यक्ति में आप समाज के लिए किसे उपयोगी मानते हैं और क्यों?

14. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3\times3 = 9$

(क) 'कारतूस' पाठ के आधार पर सआदत अली के व्यक्तित्व और आचरण के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) छोटे भाई के मन में बड़े भाई साहब के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होने के क्या कारण थे? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) स्वतंत्रता-दिवस मनाने के लिए कलकत्ता में आयोजित सभा अनोखी क्यों थी? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'गिरगिट' कहानी में समाज की किन विसंगतियों की ओर ध्यान दिलाया गया है? अपने शब्दों में लिखिए।

15. (क) बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर कया प्रभाव पड़ा है? 'अब कहां दूसरे के दुख में दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए। 3

(ख) 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर बताइए कि शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँवे से क्यों की गई है। 2

16. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर पूरक पाठ्य-पुस्तक 'संचयन' के आधार पर लिखिए : 4

(क) 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर लिखिए कि स्वार्थ-लिप्सा के कारण आजकल पारिवारिक संबंध कैसे बनते-बिगड़ते है।

(ख) विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए 'सपनों के-से दिन' पाठ की युक्तियों और आजकल की मान्यताओं के बारे में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

17. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2\times3 = 6$

(क) स्काउट-परेड करते समय लेखक अपने को महत्वपूर्ण फौजी जवान क्यों समझता था?

(ख) दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाई?

(ग) हरिहर काका ने जमीन भाइयों के नाम क्यों नहीं की?

(घ) टोपी यह क्यों सोचता रहा कि काश, वह एक दिन के लिए मुन्नी बाबू से बड़ा हो जाता?

अंक – योजना – हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

2. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक-योजना पर भली-भाँति आद्योपांत विचार-विनिमय नहीं हो जाता तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।

3. मूल्यांकन-कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

4. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।

5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।

6. यदि परीक्षार्थी ने किसी अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर भी लिख दिया है तो जिस प्रश्न को पहले हल किया गया है उस पर अंक दें और बाद में किए हुए को काट दें।

7. संक्षिप्त किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्त्व देने की अपेक्षा है।

8. बार-बार की एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।

9. शब्द-सीमा से अधिक शब्द होने पर भी अंक न काटे जाएँ।

10. अपठित गद्यांश और काव्यांश के प्रश्नों में परीक्षार्थियों की समझ में अभिव्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्त्व न दिया जाए जिससे परीक्षार्थियों को अकारण हानि हो।

11. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने - 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात् परीक्षार्थी ने **यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक दिए जाएँ।**

प्रश्न-पत्र-संख्या 4/1/1

हिंदी पाठ्यक्रम – 'ब'

खण्ड- 'क'

1. (i) शिक्षा का महत्त्व शिक्षा और मानवीय मूल्य' 1

(अन्य उपयुक्त शीर्षक पर भी अंक दिए जाएँ)

(ii) अधिकार बोध/स्वार्थ की भावना ने मानव में भेदभाव को जन्म दिया। 1

(iii) • महापुरुषों ने धर्म के माध्यम से मनुष्य को परम कल्याण का पथ दिखाया।

• इससे संसार में शांति होगी और मानव में परस्पर सद्भावना का प्रसार होगा। 1+1

(iv) • धार्मिक संकीर्णता ने धर्म को ही भेद उत्पन्न करने का अस्त्र बना लिया।

• क्योंकि वह अपने धर्म को ही श्रेष्ठ मानने लगा और दूसरे के धर्म को हीन। 1

(v) • धर्मोन्माद से उत्पन्न पतन को लोग समझ गए, उसके अनर्थ को पहचान गए।

• संचार-माध्यमों के द्वारा दूरियाँ कम होने से भी धार्मिक भेद की भावना कम हो गई 1

(vi) • नस्ल, वर्ण, रंग व जाति-भेद के रूप में वर्ण-भेद दिखाई देता है। 1

(vii) • शिक्षा मानव की संकीर्णता को दूर कर उसके दृष्टिकोण को निर्मल और विस्तीर्ण बना सकती है। 1

(viii) • विज्ञान की प्रगति और संचार-माध्यमों के विकास के कारण 1

(ix) • संधि-विच्छेद - धर्म + उन्माद

स्व + अर्थ ½+½ = 1

(x) • सम् (उपसर्ग), त्व (प्रत्यय) ½+½ = 1

(xi) • समस्त भेद, जो कृत्रिम हैं, मिट सकते हैं। जो समस्त भेद कृत्रिम हैं, वे मिट सकते हैं। 1

2. (i) • चाँद-सूरज, शाम-सवेरे भारत-भूमि की आरती करते हैं। ½+½ = 1

(ii) • भारत के लिए। 1

(iii) • झुलसती धरती को वर्षा का दान दो

• नित नया रूप दो। 1

(iv) • माली, खूशबू, मंदिर, मूरत आदि रूपों में दिखाई देता है।

(किन्हीं दो का उल्लेख करने पर भी पूरा अंक दिया जाए) 1

(v) • परिवर्तन के अनुसार मन को ढालना सरल नहीं होता, जिस तरह हर पत्थर से भागीरथी निकालना। 1

(vi) • हम अनेकता में भी तो हैं एक ही, हर संकट मे जीता सदा विवेक ही। 1

(vii) • भारतवर्ष में विविध लोग हैं, जो मिलकर एक राष्ट्र बनाते हैं। राष्ट्र की मुख्य धारा से जो लोग अलग हो गए हैं, उन्हें भी मुख्य धारा में जोड़ना है, जिससे भारत विविध फूलों की एक सुंदर माला-सा बने। 1

अथवा

(i) • उन वीरों को जिनमें स्वदेश के लिए अभिमान है।

• जिन्होंने राष्ट्र की बलिवेदी पर अर्पित हो, राष्ट्र के मस्तक पर रक्त से तिलक किया। 1+1 = 2

(ii) • महाप्रलय में भी निडर हो मुसकराते हैं।

• आखिरी साँस तक संकट का सामना करते हुए डटे रहते हैं। 1

*(iii) • राष्ट्र के लिए स्वयं को न्योछावर करना। 1

(iv) • वे आँधी बनकर दुश्मन पर टूट पड़ते हैं।

• शत्रु के बाणों के समक्ष सीना तान कर खड़े हो जाते हैं।

• आग उगलते शत्रु को अपनी वीरता से ठंडा कर देते हैं।

• अपनी हुँकार से शत्रु का दिल दहला देते हैं।

(किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित) 1

(v) • जो न्याय-नीति को अर्पित हैं,

भारत के लिए समर्पित हैं,

कीर्तित जिससे यह धरा-धाम। 1

(vi) • जो काल से भयभीत नहीं होते, जिनकी हुंकार से संसार काँप उठता हैं वे वीर ही कविता रूपी फूलों का हार पाते हैं। 1

(vii) • भारतीय वीर ज्वालामुखी पर्वत के समान भयानक हैं। शत्रु को भी अपने शौर्य से शांत कर सकते हैं। 1

खंड 'ख'

3. अनुच्छेद

(i) विषय वस्तु 3

(ii) भाषा शैली 2

(अनुच्छेद में दिए गए विचार-बिंदुओं का विस्तार होना चाहिए।) = 5

4. पत्र

(i) आरंभ व अंत की औपचारिकताओं के निर्वाह के लिए 1+1 = 2

(ii) विषय के उपयुक्त संदेश के लिए 2

(iii) भाषा के लिए 1

= 5

खंड 'ग'

5. (क) वर्णो का सार्थक समूह शब्द कहलाता है, जबकि वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द पद बन जाता है।

उदाहरण - शब्द–वीर। पद–वीर निडर होते हैं। ½+½ = 1

(ख) विशेषण पदबंध 1

(ग) पद-परिचय

- मैंने - सर्वनाम, उत्तम पुरुष, एक वचन पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।
- नदियाँ - जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक। 1+1 = 2

(मुख्य पद - भेद और एक अन्य बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)

6. (क) (i) जब अविनाश बाबू झंडा गाड़ रहे थे तब पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। (मिश्र)

(ii) वह मेरे सामने आया और ठिठक गया। (संयुक्त) 1+1 = 2

(ख) (i) मिश्र वाक्य

(ii) संयुक्त वाक्य 1+1 = 2

7. (क) महा + उदय, छात्र + आवास ½+½ = 1

(ख) प्रश्नोत्तर, प्रत्येक ½+½ = 1

(ग) फिल्म का निर्माता, महान है जो विभूति/महान विभूति ½+½ = 1

(घ) कर्मधारय, तत्पुरुष ½+½ = 1

8. (क) किन्हीं दो मुहावरों के उपयुक्त प्रयोग की अपेक्षा 1+1 = 2

(ख) (i) ऊँट किस करवट

(ii) दुखों/मुसीबतों के पहाड़ 1+1 = 2

9. (i) मैंने पढ़ा है।

(ii) बच्चे को गाय का गरम दूध पिलाओ।

(iii) तुमने वहाँ क्या देखा?

(iv) पिताजी गाड़ी से आएँगे। 1×4 = 4

खण्ड - घ

10. राह कुर्बानियों ..... साथियो।

(क) देश के लिए शहीद होता हुआ सैनिक अपने साथियों से अपेक्षा कर रहा है। ½+½ = 1

(ख) बलिदानियों की राह में न्योछावर होने वाले लोगों की संख्या में कमी न आए। 1

(ग) देश के सैनिक मातृभूमि पर सहर्ष बलिदान के तत्पर हैं। 2

(घ) देश के लिए मृत्यु का वरण करने वाला सैनिक अपने साथियों से आग्रह कर रहा है कि तुम भी देश की रक्षा हेतु अपने प्राणों के बलिदान के लिए तैयार हो जाओ। अब यह देश तुम्हारे हवाले है, अतः इसकी रक्षा करने का दायित्व तुम पर ही है। 1+1 = 2

अथवा

(क) सच्चा मनुष्य वही है जो दूसरों के हित के लिए अपने प्राण त्याग दे। 1

(ख) दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाला ही महाविभूति है क्योंकि उसकी सहृदयता के कारण सभी उसके वश में हो जाते हैं। 1+1 = 2

(ग) अपने स्वार्थ को भूलकर जो दूसरों का उपकार करने को तत्पर हो। 1

(घ) महात्मा बुद्ध के प्रति जो लोगों का विरोध था, वह उनकी दया-भावना के समक्ष टिक न सका और समस्त विश्व उनके समक्ष नतमस्तक हो गया। 2

11. (क)
- रूप माधुरी का वर्णन करते हुए मीरा कहती है कि कृष्ण के सिर पर मोर मुकुट सुशोभित है।
- उनके शरीर पर पीत वस्त्र शोभायमान हैं।
- गले में वैजयन्ती माला है।
- वृंदावन में गाय चराते हुए कृष्ण के होठों पर मुरली विराजमान है। 3

(तीन बिंदु अपेक्षित)

(ख)
- कवयित्री निरंतर जलते रहने का आग्रह इसलिए करती है ताकि उनके प्रियतम रूपी प्रभु का मार्ग प्रशस्त हो सके। जिससे दीपक के प्रकाश से प्रियतम तक जाने का रास्ता प्रकाशित हो सके।

- आत्मदीप के प्रकाश की आवश्यकता है, परमात्मा तक पहुँचने के लिए। 3

(ग)
- विरासत में मिली वस्तुएँ हमारे पूर्वजों के कष्टों और बलिदानों की निशानी हैं।
- वे हमारे लिए अमूल्य हैं।
- वे हमें हमारी परंपराओं और इतिहास से जोड़ती है।
- उनकी रक्षा करने का कर्तव्य हम पर है। 3

(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

(घ) नायक तक अपने हृदय के भाव पहुँचाने में असमर्थ नायिका यह सोचकर संतोष करती है कि उसके विरह में नायक की स्थिति भी उसके समान ही होगी। अतः वह उसके हृदय की भावनाओं को समझ लेगा। उसके लिए शब्दों में अभिव्यक्ति की आवश्यकता नहीं है। 3

12. (क) आज मातृभूमि की रक्षा में सैनिकों द्वारा बहाए रक्त से लाल हुई धरती लाल जोड़े में सजी दुल्हन के समान लग रही हैं, जिसकी रक्षा करना सभी का धर्म है। 2

(ख)
- प्रकृति पल-पल में वेश परिवर्तित करती है। कभी झमाझम बरसते बादल, तो कभी आकाश स्वच्छ दिखाई देता है।
- चारों ओर हरियाली और धुंध-सी छा जाती है।
- हर जगह तालाब- से दिखाई देते हैं।
- पर्वतों से झरने फूट पड़ते हैं जो मोतियों की लड़ियों के समान प्रतीत होते हैं।
- घने काले बादल ऐसे लगते हैं कि कोई पहाड़ पंख फड़फड़ा रहा हो।
- तालाबों के ऊपर उड़ते बादल धुँए के समान लगते हैं। 3

(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

13 (क)
- नेक और मददगार व्यक्ति।
- सभी की सेवा करना अपना कर्तव्य समझता था। 2

(ख) उसके आकर्षक व्यक्तित्व और अपनेपन के कारण लोग उसके करीब रहना चाहते थे। 2

(ग) यद्यपि तताँरा की तलवार लकड़ी की थी, इसके बावजूद लोगों का यह विश्वास था कि उस तलवार में दैवीय शक्ति थी। 2

अथवा

(क) टाइम टेबिल में खेलकूद के लिए कोई स्थान नहीं था। वह प्राकृतिक वातावरण और खेलकूद के आकर्षण में फँसकर सब कुछ भूल टाइम टेबिल की अवहेलना कर जाता था। 2

(ख) खेलने के कारण उसे पुस्तकें और टाइम टेबिल किसी की भी याद नहीं रहती थी और इसलिए बड़े भाई साहब को उसे डाँटने और शिक्षा देने का अवसर मिल जाता था। 2

(ग) उनकी नसीहत उनकी डाँट और पाबंदियों के कारण वह बड़े भाई साहब के साए से भी भागना चाहता था। 2

14. (क)
- द्वितीय स्वतंत्रता-दिवस मनाने के लिए कलकत्ता के बड़े बाजार के प्रायः सभी मकानों पर राष्ट्रीय झंडा फहराया गया। उन्हें सजाया गया।
- प्रत्येक रास्ते पर झंडे लगाए गए, जिससे लोगों में उत्साह का संचार हुआ।
- मॉन्यूमेंट के नीचे झंडा फहराने और सभा का आयोजन करने का निश्चय किया गया।
- अनेक स्थानों से मॉन्यूमेंट तक जुलूस निकाले गए। 3

(कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

(ख)
- अमेरिका से प्रतिस्पर्धा के कारण उनके जीवन की रफ़्तार बहुत अधिक बढ़ गई।
- दिमाग में स्पीड का इंजन लग गया।
- दिमागी तनाव बढ़ गया। 3

(ग) 'तीसरी कसम' फिल्म में कविता जैसी संवेदना और भावुकता है। यह फिल्म कविता की तरह हमारे हृदय को छू लेती है। इसकी कलात्मकता और मौलिकता बेजोड़ है।

(घ) अवसरवादी, चाटुकार व रिश्वतखोर तथा भ्रष्ट शासन, अधिकारियों के माध्यम से समाज में फैल रही अराजकता, भाई-भतीजावाद, अन्याय जैसी विसंगतियों का चित्रण किया है। 3

(कहानी में दिए गए एक - दो उदाहरण अपेक्षित हैं)

15. (क) कर्नल का दोस्त सआदत अली एक ऐश-पसंद आदमी था। कर्नल ने उसे अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए अवध के तख्त पर बिठाया था। उसने कर्नल को अपनी आधी जायदाद और दस लाख नकद दिए थे। ऐसे अय्याश व्यक्ति से कर्नल को कोई खतरा नहीं था। 3

(ख) बढ़ती हुई आबादी से समुद्र सिमटने लगा, पक्षी दर-बदर होने लगे, पेड़ कटने लगे जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया और लोगों को सैलाब, तूफान, जलजला जैसी प्राकृतिक आपदाओं और नित्य नए-नए रोगों का सामना करना पड़ा। 2

16. (क) गाँव के लोग अपने सभी कामों की सफलता का श्रेय ठाकुर जी को देते थे। पुत्र जन्म पर मुकदमे जीतने, पर लड़की की शादी अच्छे घर में तय होने पर लड़के को नौकरी मिलने पर वे खुले मन से रुपये, ज़ेवर, अनाज चढ़ाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त करते थे। खलिहान में अनाज की ढेरी लग जाने पर ठाकुरजी के नाम 'अगउम' निकाल कर ही अनाज घर ले जाते थे। 4

(ख)
- पी.टी. सर बहुत कठोर स्वभाव के थे, जो स्कूल समय में कभी मुस्कराते नहीं थे।
- वे पढ़ाने में भी बहुत सचेत थे। पाठ याद न करने पर बच्चों को दंड देते थे।
- जब वे स्काउटिंग की परेड कराते थे तो उनका स्वभाव बच्चों को बहुत अच्छा लगता था क्योंकि वे लड़कों को उत्साहित करते थे।
- नौकरी से मुअत्तल होने पर उनके नरम स्वभाव की झलक मिलती है जब वे अपने तोतों को बादाम की गिरियाँ खिलाते और उनसे मीठी-मीठी बातें करते। 3+1 = 4

17. (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)

(क)
- टोपी अपनी दादी के रूखे एवं कठोर व्यवहार से दुखी था।
- उसे इफ़्फ़न की दादी बहुत प्यार करती थी, उसकी भावनाओं को समझती थी। 1+1 = 2

(ख) जब महंत ने छल से काका का अपहरण करवा कर उनके मुँह में कपड़ा ठूँसकर, रस्सी से हाथ-पैर बाँधकर ज़मीन के कागजों पर जबरन अँगूठा लगवा लिया, उन पर अत्याचार किए। 2

(ग) ओमा का सिर हाँड़ी जितना बड़ा था। उसके ठिगने शरीर पर यह ऐसे लगता था जैसे बिल्ली के बच्चे के माथे पर तरबूज रखा हो। लड़ाई के समय वह सिर झुकाकर किसी के पेट या छाती में मार देता था। 2

(घ) हैडमास्टर जी का छात्रों के प्रति बहुत ही कोमल और प्रेमपूर्ण व्यवहार था। वे छात्रों को कठोर दंड देना पसंद नहीं करते थे। क्रोध आने पर बच्चों के गाल पर हल्की-सी चपत लगा दिया करते थे। 2

प्रश्न-पत्र-संख्या 4/1

हिंदी पाठ्यक्रम — 'ब'

खण्ड- 'क'

1. (i) अपठित काव्यांश

'राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी'

(अन्य उचित शीर्षक पर भी अंक दिए जाएँ) 1

(ii) 'वह धोती वह ..... दुर्लभ साँचा।' 1

(iii) अंग्रेजी सरकार को / धन व सुविधाओं से संपन्न वर्ग को। 1

(iv) एकता के मंत्र से / सत्य - अहिंसा के मंत्र से 1

(v)
- अपना बलिदान देकर स्वतंत्रता रूपी अमृत - घट को देश को समर्पित किया।
- सीने पर गोली झेलकर अपने रक्त से सबसे पहले भारत की आज़ादी का तिलक किया। 1+1 = 2

(vi) कवि के अनुसार गाँधीजी देशी वस्तु पर विदेशी सरकार को 'कर' देने के लिए तैयार नहीं थे, अतः उसी का विरोध करने के लिए लोगों को एकजुट कर दांडी-यात्रा निकाली। 1

(v) अहिंसा के पुजारी 'गाँधी' की हत्या से धरती सिसक उठी। 1

अथवा

(i) तरुणाई की शक्ति/नई किरण की नई चेतना/ तरुणाई की लहर/नव तरुणाई 1

(अन्य किसी भी उचित शीर्षक पर अंक दिया जाए)

(ii) • ''तरुणाई ने राष्ट्र को नई चेतना दी।

• ''नव उत्साह, नवगति तथा चट्टानों से टकराने की शक्ति दी। 1

(iii) हतोत्साहित न होकर नए उत्साह और दुगुनी गति से नए प्रयास करते हैं। 1

(iv) • निर्झर से इसलिए की गई हैं क्योंकि वे निर्झर की भाँति पथ की बाधाओं को धकेलकर आगे बढ़ जाते हैं।

• दुर्गम मार्ग पर चलकर सफलता प्राप्त करते हैं। 1+1 = 2

(v) 'उठो राष्ट्र के नवयौवन..... नया जागरण।' 1

(vi) भारत के नौजवानों ने देश के उत्थान में पूर्ण जोश और उत्साह के साथ आगे बढ़ते हुए स्वंय को सफल सिद्ध किया है। 1

2. (i) ममतामयी माँ/करुणा की मूर्ति मदर-टेरेसा

(अन्य किसी भी उचित शीर्षक पर पूरे अंक दिए जाएँ) 1

(ii) उनकी अंतरात्मा से आवाज़ उठी कि उन्हें सब कुछ त्यागकर अपना जीवन ईश्वर तथा गरीबों की सेवा में समर्पित कर देना चाहिए। 1

(iii) इस महीयसी महिला का आविर्भाव एक नैसर्गिक करुणाधारा के रूप में हुआ। माँ ने भूखे को भोजन दिया, वस्त्रहीन को वस्त्र, बेसहारा को आश्रय, रोगी को औषधि, आशाहीन को आशा और मरते हुए को जीवन की किरण दिखाई। दुखी, पीड़ित और बेसहारों के लिए वे करुणा की मूर्ति बन गई। 2

(iv) अध्यापन कार्य के साथ ही वे पास की गरीब बस्ती में सेवा कार्य भी करती थीं। वहाँ के गरीब और बेसहारा लोगों की दयनीय स्थिति को देखकर उनकी ममता जाग उठी और वे समाज-सेवा के मार्ग पर चल पड़ीं। 2

(v) उन्होंने भारत के दीन-दुखियों की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया और भारतीय-नारी के पहनावे को अपनाकर पूरी तरह भारतीय बन गईं। भारत को ही उन्होंने अपना देश मान लिया। 1

(कोई एक बिंदु)

(vi) अनेक स्कूल, धर्मार्थ चिकित्सालय, कुष्ठ चिकित्सा-केंद्र और उद्धाराश्रम उनकी देन हैं। 1

(किन्हीं दो का उल्लेख करने पर पूर्ण अंक)

(vii) समूचे विश्व ने माता टेरेसा को अनेक पुरस्कारों, उपाधियों से सम्मानित करके उनकी दरिद्र एवं आर्त्त मनुष्यों की सेवा को स्वीकृति प्रदान की। 1

(viii) परि (परिवर्तन) - उपसर्ग

ईय (भारतीय) - प्रत्यय ½+½ = 1

(ix) 'माँ' के पर्याय (दो)

जननी, माता, अंबा, धात्री, जन्मदात्री आदि

'मनुष्य' के पर्याय (दो)

मानव, मनुज, इंसान आदि 1+1 = 2

(अन्य उचित पर्याय को भी अंक दिए जाएँ)

खंड 'ख'

3. अनुच्छेद

(i) विषय-वस्तु 3

(ii) भाषा शैली 2

(अनुच्छेद में दिए गए विचार बिंदुओं का विस्तार होना चाहिए) 5

4. पत्र

(i) आरंभ तथा अंत की औपचारिकताओं के निर्वाह के लिए 1+1

(ii) विषय के उपयुक्त संदेश के लिए 2

(iii) भाषा के लिए 1

5

खंड 'ग'

5. (क) वर्णों का सार्थक समूह 'शब्द' कहलाता है। जब वह व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त होता है, तब 'पद' बन जाता हैं 1

(ख) संज्ञा पदबंध 1

(ग) (पद परिचय)

बाग में - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

बहुत - अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, 'पेड़' विशेष्य का विशेषण 1+1 = 2

6. (क) (i) (मिश्र वाक्य)

जो उस गाँव में रहते हैं, वे बड़े धनी हैं। अथवा- वे बड़े धनी हैं, जो उस गाँव में रहते हैं।

(ii) (संयुक्त वाक्य)

मैं बैंक गया और अपने खाते से पैसे निकाल लाया। 1+1

(ख) (i) संयुक्त वाक्य

(ii) मिश्र वाक्य 1+1

7. (क) (संधि विच्छेद)

आदेश + अनुसार, सोम + ईश्वर ½+½ = 1

(ख) (संधि)

जीवनोद्देश्य, शतायु ½+½ = 1

(ग) (समास-विग्रह)

राष्ट्र का भक्त, लाल है जो किला ½+½ = 1

(घ) तत्पुरुष समास (देशभक्ति)

कर्मधारय (नीलगाय) ½+½ = 1

8. (क) किन्हीं दो मुहावरों का ऐसे वाक्यों में प्रयोग जिसमें अर्थ स्पष्ट हो जाए, पर अंक दिए जाएँ। 1+1

(ख) (i) नीम हकीम ख़तरा-ए-जान

(ii) आटे-दाल का भाव मालूम हो जाएगा। 1+1 = 2

9. (क) शहर में बड़ी बीमारी फैली है। 1

(ख) बच्चों को सच बोलने की आदत डालनी चाहिए। 1

(ग) आजकल महँगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है। 1

(घ) अध्यापक ने बच्चों को स्नेह को पढ़ाया। 1

खंड 'घ'

10. (क) पठित काव्यांश

पर्वत बादल रूपी पंख फड़फड़ाते हुए उड़ गए हों और घनघोर वर्षा के कारण मानो तालाब में आग लग गई हो और उसमें से धुआँ उठ रहा हो। 2

(क) इसलिए कहा है क्योंकि घनघोर वर्षा के कारण झरने अदृश्य हो गए हैं और उनकी ध्वनि शेष रह गई है। 2

(ग) इंद्र की जादूगरी-

कभी बहुत तेजी से वर्षा होती है, कभी धूप होती है, कभी बादलों के पंख लगाकर पहाड़ उड़ गया- सा लगता है और पेड़ धरती में धँसते-से प्रतीत होते हैं। 2

अथवा

(क) सबसे बड़ा विवेक यही होगा कि मनुष्य, मनुष्य को बंधु माने, मित्र माने क्योंकि सभी एक ही ईश्वर की संतान है। 2

(ख) कर्म के अनुसार प्रत्येक मनुष्य में बाहरी अंतर दिखाई पड़ता है। उनकी एकता का प्रमाण वेदों में मिलता है। 2

(ग)
- मनुष्य ही मनुष्य के दुख को दूर न करें - इसे कवि ने अनर्थ माना है।
- क्योंकि एक ईश्वर की संतान होते हुए भी वे एक-दूसरे की मदद नहीं करते हैं। 2

11. (क)
- श्रीकृष्ण की बातों का आनंद पाने के लिए
- उनका साथ पाने के लिए
- उनका प्रेम पाने के लिए 3

(ख) क्योंकि ये सभी स्नेहहीन हैं और प्रभु के प्रेम से रहित हैं।

- तारों में प्रभु को पाने के लिए सच्ची भावना और तड़प नहीं है।
- इनकी दीप्ति/ चमक सिर्फ बाहरी है और शाश्वत नहीं हैं। 3

(ग) वे दो अवसर हैं-

- गणतंत्र दिवस (26 जनवरी)
- स्वतंत्रता दिवस(15 अगस्त) 3

(घ)
- कवि ने ईश्वर से यह प्रार्थना की है कि सहायक न मिलने पर भी उसका आत्माविश्वास और पुरुषार्थ न हिले।
- वह दुख पर स्वंय विजय प्राप्त कर सके।
- वह अपने जीवन का युद्ध स्वयं लड़ सके। 3

12. (क)
- ताकि वे दिनरात श्रीकृष्ण के दर्शन कर सकें।
- उनकी सेवा का लाभ पा सकें। 2

(ख)
- देश के लिए अपना सर्वस्व कुर्बान/न्यौछावर कर देने के लिए सदैव तत्पर रहें।
- कुर्बानियों की राह कभी सुनसान न रहे।
- देशवासियों के हृदय में देश के प्रति सच्चा प्रेम, आत्मीयता और समर्पण भाव बना रहें। 3

13. (क) 'मूक प्रेम' इसलिए कहा है क्योंकि वे दोनों मन-ही-मन एक-दूसरे से प्रेम करने लगे थे, रोज स्थान-विशेष पर पहुँचकर बिना कुछ कहे एक-दूसरे को अपलक देखते रहते थे। 2

(ख) गाँव की रीति के अनुसार दोनों को एक ही गाँव का होना आवश्यक था जबकि वे दोनों अलग-अलग गाँव से थे। 2

(ग) (i) लोग यह प्रयास कर रहे थे कि वे दोनों आपस में मिलना-जुलना छोड़ दें, क्योंकि गाँव की रीति के अनुसार उन दोनों का वैवाहिक संबंध संभव नहीं है।

(ii) उनके प्रयास विफल हो गए क्योंकि वे अपने प्रेम पर अडिग रहे और उन्हें अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा। 2

अथवा

(क) जो लोग सजग रहकर अपने लाभ-हानि के विषय में सोचकर ही आगे बढ़ते हैं और जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं, उन्हें व्यवहारवादी कहते हैं। जो लोग दूसरों को साथ लेकर आगे बढ़ते हैं और अपने आदर्शो पर कायम रहते हैं, उन्हें आदर्शवादी कहते हैं। 2

(ख) व्यवहारवादी लोग अपने लाभ-हानि के विषय में सोचकर ही कार्य करते हैं।

वे समाज-कल्याण के विषय में नहीं सोचते। उन्होंने समाज को गिराया ही है। 2

(ग) समाज के लिए हम आदर्शवादी व्यक्ति को ही उपयोगी मानते हैं क्योंकि समाज को ऊपर उठाने और शाश्वत मूल्यों को बनाए रखने का कार्य आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। 2

14. (क) सआदत अली लालची, स्वार्थी तथा ऐश-पसंद आदमी था। वह देश के प्रति वफ़ादार नहीं था। उसने अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए अंग्रेज कर्नल से मित्रता की। उन्हें अवध की आधी जायदाद और दस लाख रुपए नगद दिए। इस तरह उसने अपने परिवार और देश को धोखा दिया। 3

(ख) छोटे भाई को जब पता चला कि उसके सामने आदर्श स्थापित करने के लिए बड़े भाई साहब ने अपना बचपन तथा बाल-सुलभ सारी क्रियाओं को मन में दबाकर समाप्त कर दिया और बड़ा भाई होने का कर्तव्य अच्छी तरह-से निभाया, तब से उसके मन में भाई साहब के प्रति श्रद्धा उत्पन्न होने लगी। 3

(ग)
- पुलिस कमिश्नर और कौंसिल के नोटिस के बावजूद कलकत्तावासियों ने खुली लड़ाई लड़ते हुए सभा आयोजित की।
- इस स्वतंत्रता- दिवस को मनाने के लिए पहली बार अधिक-से-अधिक संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।
- ऐसा जन-आंदोलन इससे पहले कभी नहीं हुआ था। 3

(घ) 'गिरगिट' कहानी में लेखक ने अवसरवादी, चाटुकार, रिश्वतखोर तथा भ्रष्ट शासन-अधिकारी ओचुमेलॉव के माध्यम से समाज में फैल रही अराजकता, भाई-भतीजावाद, अन्याय जैसी विसंगतियों का चित्रण किया है। 3

(कहानी में दिए गए एक-दो उदाहरण अपेक्षित हैं)

15. (क) बढ़ती हुई आबादी से समुद्र सिमटने लगा, पक्षी दर-बदर भटकने लगे, पेड़ कटने लगे जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया और लोगों को सैलाब, तूफ़ान, जलजला जैसी प्राकृतिक आपदाओं और नित्य नए-नए रोगों का सामना करना पड़ा। 3

(ख) शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने की तरह होते हैं जिनमें किसी तरह की मिलावट नहीं होती। व्यावहारिता ताँबे के समान होती है। वह समाज में कोई आदर्श स्थापित नहीं करती। 2

16. (क)
- स्वार्थ के कारण पारिवारिक संबंधों में ऊष्मा, आत्मीयता और मिठास नहीं बचती। स्वार्थ के केंद्र में पैसों का बोलबाला है।
- पारिवारिक संबंधों में खोखलापन रह गया है, जैसे - हरिहर काका के भाइयों का स्नेह अपने भाई की अपेक्षा उनकी पंद्रह बीघा जमीन के प्रति दिखाया गया है।
- काका द्वारा अपनी जमीन भाइयों के नाम न करने पर भाइयों द्वारा उनके साथ क्रूर एवं अमानवीय व्यवहार करना पारिवारिक संबंधों के टूटने-बिखरने को दर्शाता है।
- पारिवारिक संबंधों में अब केवल औपचारिकता एवं आडंबर शेष रह गए हैं जैसे - हाथ से निलकती हुई जमीन देखकर भाइयों ने काका के प्रति अपनापन और स्नेह का आडंबर करना शुरू कर दिया। 4

(ख)
- पाठ में अपनाई गई युक्तियाँ वर्तमान समय में स्वीकार्य नहीं है।
- पी.टी. सर का बच्चों के प्रति कठोर व्यवहार उन्हें शारीरिक दंड देना वर्तमान संदर्भ में अमान्य हैं।
- मार-पीट के भय से वे विद्यालय जाने से कतराते हैं।
- इससे उनकी पढ़ाई तथा विद्यालय के प्रति रुचि घटती जाती है।

  आजकल की मान्यताओं के अनुसार शिक्षा का आधार बाल-मनोविज्ञान (बाल-केंद्रित) है।
- बच्चों को प्रेम, अपनत्व तथा मैत्रीपूर्ण व्यवहार के माध्यम से अनुशासित किया जाता है।
- बच्चों को किसी भी प्रकार का शारीरिक या मानसिक दंड देना अमान्य है। 4

(किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित)

17. (क) (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)

लेखक जब धोबी की धुली वर्दी और पॉलिश किए हुए जूते पहनकर परेड करते तब उन्हें लगता कि वह एक महत्वपूर्ण फ़ौजी जवान है। 2

(ख) दादी कट्टर मौलवी परिवार में ब्याही गई थीं, जहाँ गाने-बजाने की अनुमति नहीं थी। 2

(ग) उन्हें संदेह था कि जमीन भाइयों के नाम पर देने के बाद उन्हें रामेश्वर की विधवा के समान दूध में से मक्खी की तरह निकाल दिया जाएगा और उनका जीवन नारकीय हो जाएगा। 2

(घ) मुन्नी बाबू ने टोपी पर झूठा आरोप लगाया था कि उसने रहीम कबाबची के कबाब खाए हैं। इस बात पर उसे बहुत मार पड़ी थी। 2